6–4–67 ओमशांति रात्रीक्लास

इस दुनियां में सबसे सौभाग्यशाली (तुम) बच्चे हो जिनको कि विश्व की बादशाही मिलती है ; परंतु कोटों में कोउ ही जानते हैं।कृष्ण होता तो सब झट जान लेते। कोई भी पहचान ना (पावे)। कृष्ण तो नामी–ग्रामी है ना। अब यह खुद कहते हैं मुझे कोटों में कोउ जानते हैं। मैं साधारण तन में आता हूँ इसलिए मूंझ जाते हैं।कहते भी हैं कि बादशाही मिलती है।फिर भी वो नशा ही चढ़ता है। तदबीर कराने वाले बाप तो राजयोग सिखा रहे हैं। तकदीर में ना है तो बाप भी क्या कर सकते हैं। कहते भी हैं मैं जो हूँ, जैसा हूँ.....कृष्ण वो तो ऐसा कहने का रहता नहीं। यह है गुप्त। अल्लाह अवलदीन चमड़ापोश में है।खुदा आप ही चमड़े के पोश में नहीं आते हैं। यह चमड़ी है ना।तुम सब आत्मायें चमड़ी में आती हो। तो उंच ते उंच बाप है उनसे पढ़कर उंच पद पाना है। उंच पद पाने वाले सर्विस का शो करते हैं। रात–दिन सर्विस ,दूसरों को रास्ता बताना है। बाप आया हुआ है सो दूसरों को भी रास्ता बताना। बाप कहते हैं यह अंतिम जन्म है। अब बच्चों तुम योग में रहो तो विकर्म विनाश होंगे। औरों को भी बताते रहो। जालन्धर वाले सतगुरूदयाल को भी शौक है सर्विस का। एरोप्लेन से पर्चे गिराये हैं।अगर समझो एरोप्लेन से गिराने का खर्चा भी लेते हैं तो हजार रुपया देहली, हजार कलकत्ता, हजार रुपये बॉम्बे में बाबा देने लिए तैयार हैं। पर्चे भी बहुत छपवाने पड़ेंगे। सारे बॉम्बे में कितने पर्चे गिराने पड़ेंगे। बाबा इतना खर्चा देने लिए तैयार हैं। मद्रास में भी हो सकता है।जो–जो कोई पुरुषार्थ कर सकते हैं तो कोशिश करनी चाहिए।पर्चे भी ऐसे छपवाने पड़ेंगे। अखबार का एक पेज होता है इतना बड़ा हो।और फिर सभी भाषाओं में छपवाना पड़े। भल 10हजार, 20हजार खर्चा हो जावे बाबा करने लिए तैयार हैं। बाम्बे ,देहली,कलकत्ता। कोई बड़ा आदमी हाथ में हो तो उनका सब पर चलता है। सबको मालूम पड़ जावे जो–जो प्वाइंट्स है गीता के भगवान की। गंगा पतित–पावनी नहीं है,.....ऐसी2 जो2 मुख्य प्वाइंट्स है वो सब डालनी चाहिए।बाबा कहते हैं यह तैयार रखो। जब मान लेवे तो करना चाहिए। सीढ़ी का भी भल चित्र आ जावे। बाबा को खर्चा करने में कोई हर्जा नहीं है। प्रदर्शनी 8–7हजार रुपया खर्चा खा जाती है। यहां भी इतना खर्चा होगा तो कोई हर्जा नहीं है। यह ढिंढोरा पिट जावे तो तुम्हारा नाम कितना बाला हो जावेगा। तुम अपनी बादशाही स्थापन कर रहे हो ना। जालंधर वालों ने कमाल की है। उनको देखकर औरो को भी सीखना है।यह एडवरटाइजमेंट भी अच्छी है।जो करेंगे वा जितना पुण्य का काम करेंगे कितनों की आशीर्वाद मिलेगी। सतगुरूदयाल को कतनों की आशीर्वाद मिलेगी। पैसे भी सफल होंगे। बुद्धि अच्छी है ,ना भी अच्छा रखा हुआ है।यह भी सर्विस की युक्ति है। प्रदर्शनी प्रोजेक्टर यह सब युक्तियां हैं। पहले2 गीता का भगवान कौन?इस पर समझानी देनी है। भगवान सबका बाप है।कृष्ण बाप हो नहीं सकता। वर्सा बाप से मिलता है। ज्ञान सागर पतित–पावन स्वर्ग का रचता भी वो ही है। भगवान कहते हैं मुझे याद करो और 84 के चक्र को याद करो तो भी बेड़ा पार हो जावेगा। तुम बच्चे खिवैया बनकर कितनों की नैया पार करते हो। यह धंधा अच्छा या वो धंधा अच्छा?तुम अनगिणत धनवान बनते हो।गिनती की बात नहीं। किसकी तकदीर अच्छी है तो बुद्धि भी काम करती है।तुम पढ़कर 21जन्म लिए कमाई करते हो। तुम पढ़कर 21जन्म लिए कमाई करते हो। वहां कितने धनवान होते हैं।आहा, तुम बच्चे लक्की स्टार्स हो। बाबा जिनको बुलाते थे ओ गॉड फादर आकर लिबरेट करो। गाइड बनकर ले चलो। अब बाप तुम बच्चों को विश्व का मालिक बनाने के लिए वरदान देते हैं। यह पढ़ाई अच्छी है ना। कोई विरला ही यह व्याार करे।एक्सचेंज है ना। शिवबाबा कुछ लेते नहीं हैं।मैं क्या करुंगा?बच्चों के ही काम में लगता है।श्वांस पर भरोसा नहीं है।मौत तैयार खड़ी है। तो अपनी कमाई कर लेनी चाहिए ना।बच्चों को मात–पिता बाप वा दादा का यादप्यार और गुडनाइट।